मंत्री
श्रम एवं रोज़गार
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन
भारत सरकार

MINISTER
LABOUR & EMPLOYMENT
ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE
GOVERNMENT OF INDIA

सत्यमेव जयते

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

भूपेन्द्र यादव
BHUPENDER YADAV

संदेश

दत्तोपंत ठेंगड़ी नेशनल बोर्ड फॉर वर्कर्स एजुकेशन एंड डेवलपमेंट (DTNBWED) के 63वें श्रमिक शिक्षा दिवस पर मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। 1958 में अपनी स्थापना के बाद से अब तक बोर्ड ने श्रमिकों के हित में सराहनीय कार्य किया है। महान विचारक दत्तोपंत ठेंगडी जी हमेशा समाज के वंचित तथा श्रमिक वर्ग के हितों की बात करते थे। श्रमिक कल्याण का जो रास्ता दत्तोपंत ठेंगडी जी ने दिखाया है, उस पर चलते हुए हमें श्रमिक उत्थान के लिये में काम करते रहना है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में आज देश में एक ऐसी सरकार कार्य कर रही है जो श्रमिकों एवं गरीबों के हितों के लिए प्रतिबद्ध एवं संवेदनशील है। माननीय प्रधानमंत्री जी का सदैव ही इस बात पर बल रहता है कि कैसे अधिक से अधिक लाभ एवं सुविधाएं देश के श्रमिकों एवं आर्थिक रूप से कमज़ोर लोगों तक पहुंचाई जाएं।

ऐसे में सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की पूरी जानकारी देश के हितधारकों तक सुगमता से पहुँचाने की ज़िम्मेदारी इस बोर्ड पर भी है। देश के श्रमिकों को सरकारी एवं अन्य Digital Platforms से संबन्धित पूरी जानकारी एवं उन्हें प्रयोग करने का विस्तृत प्रशिक्षण समय-समय पर दिया जाना चाहिए।

माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने श्रमिक हितों में अति-आवश्यक श्रम सुधार लाने का अभूतपूर्व कार्य किया है जो कि पिछले 74 वर्षों में नहीं किया गया था। Labour Codes के माध्यम से हमने अपने श्रमिकों के लिए बहुत से ऐतिहासिक कदम उठाए हैं, जैसे कि इन Codes के लागू होने के पश्चात देश के सभी 50 करोड़ श्रमिकों को न्यूनतम मज़दूरी का कानूनी अधिकार प्राप्त होगा। इसी प्रकार, श्रमिकों को एक सुरक्षित कार्य का वातावरण देने हेतु OSH Code के अंतर्गत कई अच्छे प्रावधान लाये गये हैं। हमने Social Security Code के माध्यम से एक Universal Social Security Coverage स्थापित करने का प्रयास किया है। इसके साथ – साथ IR code के माध्यम से एक सरल एवं पारदर्शी विवाद निस्तारण प्रणाली की व्यवस्था भी की गयी है।

इन श्रम क़ानूनों के माध्यम से हमने नियोक्ताओं एवं श्रमिकों के अधिकारों में संतुलन व समन्वय बनाकर उनके बीच परस्पर सहयोग एवं सोहार्दपूर्ण वातावरण बनाने का प्रयास किया है। मुझे विश्वास है कि श्रम क़ानूनों में किये गये इन व्यापक बदलावों द्वारा हम देश में एक सकारात्मक एवं विश्वासपूर्ण कार्य संस्कृति स्थापित करने में सक्षम होंगे। इस पर जागरूकता का काम भी बोर्ड को करना चाहिए।

देश में लगभग 38 करोड़ असंगठित क्षेत्र के श्रमिक हैं, हमारी सरकार ने इन श्रमिकों का राष्ट्रीय स्तर का एक व्यापक Database बनाने के उद्देश्य से ई-श्रम पोर्टल की शुरुआत की है। मेरा सुझाव है कि अगले 6 माह में आप जो भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करें उसमें एक Slot ई-श्रम पोर्टल से संबन्धित जानकारी एवं पंजीकरण की प्रक्रिया के उल्लेख के लिये रखें।

हमारे मंत्रालय का NCS पोर्टल रोज़गार से संबन्धित जानकारी देने का एक तरीका है। आप प्रशिक्षण द्वारा अधिक से अधिक लोगों तक इस पोर्टल से जुड़ी जानकारी पहुंचाएं। हमें अपने प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 2Qs यानि Quality के साथ- साथ Quantity of programmes पर भी ध्यान देना है। देश भर में प्रशिक्षण कार्यक्रम किन-किन स्थानों पर, किस प्रकार से, किस श्रमिक श्रेणी या वर्ग के लिये, किन विषयों पर तथा कब – कब आयोजित किये जाएंगे इसका एक Schedule Calendar बनना चाहिए। मेरा यह भी सुझाव है कि आप Board में ऐसी प्रणाली बनायें जिससे आप अपने सभी केन्द्रों पर आयोजित होने वाले प्रशिक्षणों का विश्लेषण कर उनमे समय - समय पर बदलाव भी करते रहें।

अंत में दत्तोपंत ठेंगड़ी नेशनल बोर्ड फॉर वर्कर्स एजुकेशन एंड डेवलपमेंट (DTNBWED) के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को 63वें श्रमिक शिक्षा दिवस की पुनः हार्दिक बधाई।

(भूपेंद्र यादव)

120, श्रम शक्ति भवन, नई दिल्ली - 110001 दूरभाष : +91-11-23717515, 23710240 फैक्स : +91-11- 23711708
120, Shram Shakti Bhawan, New Delhi-110001 Phone : +91-11-23717515, 23710240 Fax : +91-11- 23711708
ई–मेल/E-mail : minoffice-mole@nic.in